वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 वर्ष :2 अंक : 337 गुरुवार 6 अप्रैल 2023 दैनिक ई-पेपर

शाबास इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

चार दिन में तीन गुना तेजी से बढ़ा कोरोना

राजस्थान में मौतों के कारण भी चिंता बढ़ी; नए वैरिएंट से फैला संक्रमण

जयपुर. कासं। राजस्थान समेत पूरे देश में कोरोना फिर से बढ़ने लगा है। पिछले 20 दिन से केसों में इजाफा हुआ है। आखिरी 24 घंटे की रिपोर्ट में 29 पॉजिटिव केस मिले हैं जबकि 949 लोगों की जांच की गई। विशेषज्ञ इस कोविड के बढ़ने के पीछे ओमिक्रॉन के नए सब वैरिएंट इइ 1.16 को कारण मान रहे हैं। राजस्थान में इस वैरिएंट के पिछले दो सप्ताह में 70 फीसदी से ज्यादा केस डिटेक्ट हुए हैं। इस कारण राजस्थान में संक्रमण दर एक से बढ़कर तीन फीसदी के ऊपर चली गई है।

ई-रिक्शा के लिए नहीं बनी हरी पट्टी, जहां है वहां भी नहीं चल रहे

जयपुर. कासं। पर्यावरण के लिहाज से देखें तो ई-रिक्शा सार्वजनिक परिवहन का अच्छा साधन है, लेकिन सही तरीके से संचालन के अभाव में परेशानी का कारण बन गए हैं। ई-रिक्शा संचालन के लिए विशेष हरी पट्टी प्रशासन नहीं बना पाया। चार साल में केवल दो बाजार किशनपोल व चांदपोल में हरी पट्टी बनाई गई मगर वह भी अव्यवस्थाओं की भेंट चढ़ गई। हरी पट्टी पर लोग वाहन पार्क कर रहे हैं। ई-रिक्शा को चलने के लिए जगह ही नहीं बचती है जबकि यह हरी पट्टी पूरे परकोटे में बनाई जानी थी। ऐसे में चालक ई-रिक्शा को अपने मुताबिक किसी भी तरह चला रहे हैं और परेशानी का कारण बन रहे हैं।

पवनपुत्र का होगा शहरभर में गुणगान, गूंजेगी चौपाइयां

जयपुर. कासं

हनुमान चालीसा पर्व के मौके पर आज गुरुवार को हनुमान मंदिरों में सुंदरकांड और हनुमान चालीसा पाठ होंगे। शाम को भजन संध्याओं में वीर बजरंग बली का गुणगान किया जाएगा। दर्जनों स्थानों से प्रसिद्ध हनुमान मंदिरों के लिए पदयात्राएं रवाना होंगी। हनुमान मंदिरों में अंजनी सुत का दुग्धाभिषेक और पंचामृत अभिषेक कर सिंदूरी चोला धारण कराया जाएगा। जौहरी बाजार के हल्दियों का रास्ता स्थित मंगलेश्वर महादेव मंदिर में सालासर बालाजी भक्त मंडल जयपुर की ओर से भजन संध्या हुई। अयोध्या में बन रहे भगवान श्रीराम के मंदिर और राम लला विराजमान के दर्शन किए। मंडल के अध्यक्ष रामप्रसाद कारोडिया ने बताया कि पवन शर्मा ने महाराज गजानंद आओ जी म्हारी सभा में रंग बरसाओ, अशोक कोहली ने शास्त्रीय शैली में अयोध्या करती है आह्वान ठाठ से कर मंदिर निर्माण शिला की जगह लगा दे प्राण भजन गाया। उन्होंने लंका की अशोक वाटिका में हनुमानजी द्वारा सीताजी के साथ हुए संवाद को राम कहानी के रूप में सुनाकर श्रोताओं की आंखें नम कर दी। जलदाय मंत्री डॉ. महेश जोशी, विधायक कालीचरण सराफ, सुरेन्द्र पारीक, अजय यादव, बी एल बागवान, पवन शर्मा मौजूद रहे। चांदी की टकसाल स्थित काले हनुमान जी मंदिर में महंत गोपाल दास के सान्निध्य में रात को पंचामृत अभिषेक हुआ। युवाचार्य पं.योगेश शर्मा ने बताया कि गुरूवार सुबह 11 बजे संगीतमय सुंदरकांड, शाम सात बजे विशेष झांकी, भजन संध्या होगी। 16 वीं विशाल ध्वज पदयात्रा दोपहर 3.15 बजे मोतीडूंगरी गणेश मंदिर से रवाना होकर प्रमुख मार्गो से होते हुए मंदिर पहुंचेगी। इधर पुराना घाट स्थित जयपुर के कुल देवता के रूप में प्रसिद्ध घाट के बालाजी मंदिर में स्वामी सुदर्शनाचार्य महाराज के सान्निध्य में अभिषेक कर चोला चढ़ाया जाएगा। बालाजी को बाटी और चूरमा का भोग लगाया जाएगा। सांगानेरी गेट स्थित पूर्वमुखी हनुमान जी मंदिर में पंचामृताभिषेक के बाद बाद सवा किलो सिंदूर का चौला चढ़ाया जाएगा करतारपुर स्थित मनसापूरण हनुमान मंदिर में सुबह दुग्धाभिषेक के बाद रुद्र पाठ होंगे। 11 हजार लड्डुओं का भोग अर्पित कर महाआरती की जाएगी। खोले के हनुमान जी में बुधवार को शास्त्रीय भजन गायिका बेवी आकांश राव ने शास्त्रीय और उप शास्त्रीय भजन प्रस्तुत किए। वहीं पद्मश्री से सम्मानित गुलाबो सपेरा ने नृत्यों की छटा बिखेरी। आज सुबह सात बजे 108 औषधि द्रव्यों, विभिन्न तीर्थों के जल से मंत्रोच्चारण के साथ अभिषेक किया जाएगा। सुबह 9 बजे षोडशोपचार पूजन और श्रृंगार होगा।

वीर सी.ए. अनिल जैन को महावीर इंटरनेशनल के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष पद की शपथ जयपुर में संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

'सबको प्यार' 'सबकी सेवा' व 'जिओ और जीने दो' के आदर्श भाव के साथ देश भर में सेवा में जुटी महावीर इंटरनेशनल अपेक्स की नवगठित राष्ट्रीय कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण टोंक रोड़ स्थित इंद्रलोक ऑडीटोरियम में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि, राजस्थान हाईकोर्ट जयपुर के पूर्व न्यायधीश जे. के. रांका ने वीर सीए अनिल जैन, को अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष पद की शपथ दिलाई। उसके बाद निर्वतमान अन्तर्राष्ट्रीय अध्यक्ष वीर एस के जैन, IPS (रिटा) ने साफा पहनाकर बधाई दी। नव निर्वाचित अन्तर्राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अंतर्राष्ट्रीय महासचिव पद पर अजमेर के वीर अशोक गोयल तथा अंतर्राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष पद पर दिल्ली के वीर सीए सुधीर जैन को शपथ दिलाई। उल्लेखनीय है कि नव निर्वाचित अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष वर्ष 2021-23 के कार्यकाल में अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष वीर एस. के. जैन, IPS (रिटा) की कार्यकारिणी में अंतर्राष्ट्रीय महासचिव पद का दायित्व निभा रहे थे। इस अवसर पर देश के 10 रिजन व 30 जोन के अंतर्गत कुल 340 शाखाओं के लिए रीजन 2 से मनोनीत अंतर्राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वीर श्याम सुन्दर जालान, झुंझुनू से रिजन सेक्रेटरी- वीर महेश कुमार मुंड, झुंझुनू से जोन चेयरपर्सन वीरा रश्मि आर्य, जयपुर से, इंटरनेशनल डॉयरेक्टर वीरा डॉ रश्मि सारस्वत, जयपुर से, को-डॉयरेक्टर वीर अंकित जैन, कोटा से गवर्निंग काउंसिल मेम्बर में जयपुर जोन से वीर विमल रांका व वीर राजेंद्र ताथेडीया तथा सीकर-झुंझुनू जोन से वीर सत्यदेव यादव व वीर रमेश चंद्र शर्मा आदि पदाधिकारीयो ने शपथ ली। शपथ ग्रहण कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि के रूप में जस्टिस हेमंत जैन, डिस्ट्रिक्ट जज, पूर्व अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष वीर राज लोढा, वीर पुष्प जैन पूर्व सांसद, वीर वी. एस. बापना के साथ गणमान्यजनों की गरिमामय उपस्थिति रही।

महानाट्य की शानदार प्रस्तुति

श्री महावीर जी. शाबाश इंडिया

स्थानीय श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र में चल रहे वार्षिक मेले में रात्रि 7.30 बजे दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप संगिनी फॉर एवर जयपुर द्वारा महानाट्य आयोजित किया गया तथा साधना मादावत रंगशाला एकेडमी द्वारा महानाट्य की शानदार प्रस्तुति दी गई जिनमें महिलाओं ने लघु नाटक के माध्यम से भगवान महावीर के जीवन परिचय को दर्शकों के सामने प्रस्तुत किया। कलाकारों की प्रस्तुति ने आये हुये सभी दर्शकों का मनमोह लिया। श्री महावीर जी श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी में चल रहे वार्षिक मेले के 5वें दिवस मुख्य मन्दिर में प्रातः पं. मुकेश शास्त्री द्वारा श्री जी का अभिषेक व शन्तिधारा मन्त्रोच्चारण सहित भक्तिभाव के साथ किया गया। दोपहर 12 बजे श्री वीर संगीत मण्डल, जयपुर के सहयोग से श्री वीर प्रभु की सामूहिक पूजन की गई। इस अवसर पर दिगम्बर जैन कार्यकारिणी कमेटी के अध्यक्ष सुधांषु कासलीवाल, मानद् मन्त्री महेन्द्र कुमार पाटनी, संयुक्त मंत्री उमरावमल संघी, कोषाध्यक्ष विवेक काला, सदस्य भारत भूषण, पी.के. जैन उपस्थित रहे। सायंकाल 7 बजे जिनेन्द्र देव की भक्ति सन्ध्या के साथ सामूहिक आरती की गई। कटला पूर्वी पांडाल में शास्त्र प्रवचन किये गये। 7.30 बजे कटला पूर्वी पांडाल में महिला जागृति संघ जयपुर द्वारा भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा, तथा रात्रि 8 बजे सांस्कृतिक मंच पर वीणा कैसेट्स जयपुर द्वारा राजस्थानी लोक नृत्य व लोकगीत कार्यक्रम गोरबंद किया जायेगा। श्री महावीर जी गुरूवार 6 अप्रेल को रात्रि 8 बजे सांस्कृतिक मंच पर राष्ट्रीय कवि सम्मेलन आयोजित किया जायेगा, जिसमें देश के कोने-कोने से आये कवि दर्शको को अपनी मधुर, वीर रस से युक्त तथा हास्य कविताओं के माध्यम से मनमोह लेंगे। इस अवसर पर नवरस सिद्ध संचालक एवं वीर रस कवि शशिकान्त यादव देवास म.प्र., हास्य व्यंग्यकार पैरोडीकार गीतकार सुदीप भोला जबलपुर, गीतकार हिन्दी राजस्थानी मुकुट मणिराज कोटा, गीत गजल हिन्दी राजस्थानी कवयित्री आयुषी राखेचा जोधपुर, हास्य व्यंग्यकार दीपक पारीक भीलवाड़ा, वीर रस कवि डॉ. आदित्य जैन कोटा, ओजस्वी गीतकार प्रहलाद चांडक कैमला श्री महावीर जी।

श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन गुणसागर आराधना अतिशय क्षेत्र गुणस्थली पर उपाध्याय 108 उर्जयन्त सागर जी महाराज के पावन सानिध्य में हुआ शान्ति महामंडल विधान का आयोजन

श्री शांतिनाथ भगवान का किया महामस्तकाभिषेक

फागी. शाबाश इंडिया

श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन गुणसागर आराधना अतिशय क्षेत्र गुणस्थली पर उपाध्याय 108 उर्जयन्त सागर जी महाराज के पावन सानिध्य में धर्मगुणामृत ट्रस्ट चकवाड़ा के तत्वावधान में आज शांतिनाथ महामंडल विधान का भव्य आयोजन हुआ उक्त आयोजन में जैन महासभा के मीडिया प्रवक्ता राजाबाबू गोधा ने शिरकत करते हुए बताया कि प्रातः श्री जी का अभिषेक, शांति

धारा, अष्टद्रव्यों से पूजन के बाद दोपहर 1:00 शांति विधान पूजन की पूजा शुरू हुई तत्पश्चात 3:00 श्री जी के भव्य पंचामृत अभिषेक के बाद उपाध्याय उर्जयन्त सागर जी महाराज का मुख्य ट्रस्टी ताराचंद जैन स्वीट कैटरर्स जयपुर ने पादप्रक्षालन किया। गुरुदेव को सुखानंद काला दुगार्पुरा ने शास्त्र भेंट किया बाद में उपाध्याय श्री का मंगलमय उद्बोधन हुआ। कार्यक्रम में 51इन्द्र ईन्द्राणीयों पूजा अर्चना कर पुण्यार्जन प्राप्त किया तथा कार्यक्रम में महावीर अजमेरा-श्रीमती मुन्ना अजमेरा सौधर्म इंद्र बनकर पुण्यार्जन प्राप्त किया। कार्यकम में प्रसिद्ध गायक कलाकार नरेंद्र कुमार जैन एन्ड पार्टी जयपुर ने विभिन्न धुनों अर्घ्य समर्पित कराये, तथा श्रमण संस्थान सांगानेर के पंडित नवीन कुमार जैन ने विभिन्न मंत्रोच्चारणों के द्वारा विधान पर पूज्यार्थियो द्वारा 128 अर्घ्य समर्पित करवाये गये।

वेद ज्ञान

जीवन में प्रसन्नता बनी रहे

यह अनुमान सही नहीं है कि जो सुखी और साधन संपन्न होता है वह प्रसन्न रहता है। वस्तुस्थिति इससे बिल्कुल विपरीत है। जो प्रसन्न रहता है वही सुखी और साधन संपन्न बनता है। प्रसन्नता विशुद्ध रूप से ऐसी मनोदशा है जो पूर्णतया आंतरिक सुसंस्कारों पर निर्भर रहती है। गरीबी में भी मुस्कराने और कठिनाइयों के बीच भी जी खोलकर हंसने वाले असंख्य व्यक्ति देखे जा सकते हैं। इसके विपरीत ऐसे भी अगणित लोग हैं जिनके पास प्रचुर मात्रा में साधन संपन्नता है, पर उनकी मुखाकृति तनी रहती है। ऐसा इसलिए, क्योंकि चिंतित, असंतुष्ट रहना एक मानसिक दुर्बलता मात्र है जो अंतःकरण की दृष्टि से पिछड़े हुए लोगों में ही पाई जाती है। परिस्थितियां नहीं, मनोभूमि का पिछड़ापन ही इस क्षुब्धता का कारण है। संतुलित दृष्टिकोण वाले व्यक्ति हर परिस्थिति में हंसते रहते हैं। वे जानते हैं कि मानव जीवन सुविधाओं-असुविधाओं, अनुकूलताओं-प्रतिकूलताओं के ताने-बाने से बुना गया है। संसार में अब तक एक भी व्यक्ति ऐसा नहीं जन्मा जिसे केवल सुविधाएं और अनुकूलताएं ही मिली हों और कठिनाइयों का सामना न करना पड़ा हो। इसके प्रतिकूल जिसने अनुकूलताओं पर विचार करना आरंभ किया और अपनी तुलना पिछड़े हुए लोगों के साथ करना शुरू किया, उसे लगेगा कि हम करोड़ों से अच्छे हैं। हमारे पास जो प्रसन्नता है, वह एक ईश्वरीय वरदान है और यह हर सुसंस्कृत मनोभूमि के व्यक्ति को प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हो सकती है। जिसे शुभ देखने की आदत है, वह सर्वत्र आनंद बटोरेगा, मंगल देखेगा, ईश्वर की अनुकंपा और लोगों की सद्भावना पर विश्वास रखेगा। ऐसी दशा में हंसने-हंसाने के लिए उसके पास बहुत कुछ होगा, किंतु जिन्हें अशुभ चिंतन की आदत है, वे असमंजस, खिन्नता ही अनुभव करते रहेंगे। ऐसे व्यक्ति स्वयं दुखी रहते हैं और अपने संपर्क में आने वाले दूसरों को दुखी करते रहते हैं। हमें क्रुद्ध, असंतुष्ट और क्षुब्ध नहीं रहना चाहिए। इससे मस्तिष्क में नई विकृतियां उत्पन्न होती हैं और बढ़ती चली जाती हैं। उससे सारा मानसिक ढांचा लड़खड़ाने लगेगा। चिड़चिड़ापन मनुष्य का एक विकार है। दुखी, निराश और चिंतित रहने वाले को सनकी और मूर्खों की पंक्ति में बैठाया जाएगा।

संपादकीय

खुशहाली सूचकांक का पैमाना क्या है?

सवाल है कि अगर सकल घरेलू उत्पाद खुशी को मापने का पैमाना है, तो उस पर भी कैसे सवा सौ देश भारत से बेहतर हो सकते हैं? अगर भ्रष्टाचार में कमी या उसकी गैरमौजूदगी खुश होने का आधार है, तो अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के देश कैसे भारत से बेहतर हैं? असल में जिन छह पैमानों पर खुशी को मापा गया है, वे अपने आप में अधूरे हैं। हाल ही में यूएन सस्टेनेबल डेवलपमेंट सल्यूशन नेटवर्क ने विश्व खुशहाली रिपोर्ट 2023 जारी की। यह रिपोर्ट डेढ़ सौ से अधिक देशों के सर्वेक्षण के आधार पर जारी की जाती है। इस वर्ष रिपोर्ट में एक सौ छत्तीस देशों को शामिल किया गया। इसमें खुशहाली को मापने के लिए छह प्रमुख कारकों का उपयोग किया जाता है- सामाजिक सहयोग, आय, स्वास्थ्य, स्वतंत्रता, उदारता और भ्रष्टाचार की स्थिति। एक बार फिर वैश्विक

खुशहाली सूचकांक में फिनलैंड सर्वोच्च स्थान पाने में कामयाब रहा। इसे लगातार छठवीं बार सर्वोच्च स्थान मिला है। डेनमार्क दूसरे और तीसरे स्थान पर आइसलैंड है। पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी शीर्ष बीस देशों के आंकड़ों में कुछ विशेष परिवर्तन नहीं हुए हैं। एक छोटा-सा परिवर्तन यह है कि लिथुआनिया ने बीसवें स्थान पर पहुंच कर शीर्ष बीस में अपनी जगह बना ली है। वहीं भारत एक सौ छत्तीस देशों की सूची में एक सौ पच्चीसवें स्थान पर है। जबकि इस सूची में पिछले साल एक सौ छियालीस देश शामिल थे, तब भारत को एक सौ पैंतीसवें स्थान पर रखा गया था। पिछली बार के मुकाबले भारत की रैंकिंग में सुधार जरूर हुआ है, लेकिन सूची में उसका नाम नेपाल, चीन और बांग्लादेश जैसे अपने पड़ोसी देशों से भी नीचे है। यहां तक कि जंग लड़ रहे रूस और यूक्रेन भी इस सूची में भारत से आगे हैं। रूस सत्तरवें और यूक्रेन बानबेवें पायदान पर है। इस मामले में अफगानिस्तान सबसे निचले पायदान पर है या कहें कि रिपोर्ट के मुताबिक, यह सबसे ज्यादा दुखी देश है। इसके अलावा पायदान में नीचे रहने वाले देशों में लेबनान, जिम्बाब्वे, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक आफ कांगो जैसे देश हैं। शीर्ष बीस देशों की सूची में एशिया का एक भी देश शामिल नहीं है। खुशहाली सूचकांक में किसी देश की स्थिति जानने के लिए उसकी जीडीपी, वहां जीवन की गुणवत्ता और जीवन प्रत्याशा को देखा जाता है। जाहिर है, इस रिपोर्ट में वही मानक रखे गए हैं, जिन्हें लोगों को एक सामान्य जीवन जीने के लिए न्यूनतम माना गया है, पर अफसोस कि भारत इन पर खरा नहीं उतर पाया और हमारे पड़ोसी देश, जो खुद ही अपनी आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक मुश्किलों और बदहाली से जूझ रहे हैं, वे खुशहाली के मामले में भारत से आगे निकल गए। सवाल है कि हम प्रसन्न समाजों की सूची में क्यों नहीं अव्वल आ पा रहे हैं। इस पर आत्ममंथन की जरूरत है। खुशहाली सूचकांक के लिए अर्थशास्त्रियों और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों की एक टीम व्यापक स्तर पर शोध करती है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

घातक बदलाव...

जिस तरह मौसम करवट बदल रहा है, उसका असर अब पूरी दुनिया पर दिखाई देने लगा है। भविष्य में इसका सबसे ज्यादा बुरा असर एशियाई देशों पर पड़ेगा। एशिया में गरम दिन बढ़ सकते हैं या फिर सर्दी के दिनों की संख्या बढ़ सकती है। एकाएक भारी बारिश या फिर अचानक बादल फटने की घटनाएं हो सकती हैं। न्यूनतम और अधिकतम दोनों तरह के तापमान में खासा परिवर्तन देखने में आ सकता है। अमेरिका के न्यूयार्क में पांच दशक बाद जल सम्मेलन संपन्न हुआ। उसमें हिमालय से निकलने वाली गंगा समेत दस प्रमुख नदियों के भविष्य में सूख जाने को लेकर गंभीर चिंता जताई गई। सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने आगाह किया कि आने वाले दशकों में जलवायु संकट के कारण हिमनदों का आकार घटने से भारत की सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र जैसी नदियां सूख सकती हैं। हिमनद पृथ्वी पर जीवन के लिए आवश्यक हैं। दुनिया के दस प्रतिशत हिस्से में हिमनद हैं, जो दुनिया के लिए शुद्ध जल का बड़ा स्रोत हैं। यह चिंता इसलिए है कि मानवीय गतिविधियां पृथ्वी के तापमान को खतरनाक स्तर तक ले जा रही हैं, जो हिमनदों के निरंतर पिघलने का कारण बन रहे हैं। इस आयोजन में जारी रिपोर्ट के अनुसार 2050 तक जल संकट से प्रभावित होने वाले देशों में भारत प्रमुख होगा। गंगा और ब्रह्मपुत्र समेत एशिया की दस नदियों का उद्गम हिमालय की तलहटी है। उनमें झेलम, चिनाब, ब्यास, रावी और यमुना भी शामिल हैं। ये सभी नदियां 2250 किलोमीटर जलग्रहण क्षेत्र में बहती हैं। ये अपने जलग्रहण क्षेत्र में 1.3 अरब लोगों को ताजा पानी उपलब्ध कराती हैं, जिनमें उत्तर भारत की बड़ी आबादी शामिल है। पानी की समस्या से प्रभावित लोगों में से अस्सी प्रतिशत एशिया में हैं। यह समस्या भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और चीन में सबसे ज्यादा है। विडंबना है कि जहां पानी की उपलब्धता घट रही है, वहीं पानी की खपत बढ़ रही है। सीएसई की रिपोर्ट के मुताबिक गंगा-ब्रह्मपुत्र-मेघना नदी प्रणाली का जलग्रहण क्षेत्र कुल नदी जलग्रहण क्षेत्र का 43 प्रतिशत है। जाहिर है कि इनमें पानी कम होने से देश में बड़ा जल संकट पैदा हो सकता है। इसलिए कि भारत में दुनिया की 17.74 प्रतिशत आबादी है, जबकि उसके पास ताजा पानी के स्रोत केवल 4.5 प्रतिशत हैं। इसलिए कालांतर में नदियों सूखने का संकेत चिंताजनक है। हिमालयी नदियों के सूखने की चेतावनी इसलिए सच लगती है, क्योंकि कनाडा की स्लिम्स नदी के सूखने का घटनाक्रम और नाटकीय बदलाव एक ठोस सच्चाई के रूप में छह साल पहले सामने आ चुका है। इस घटना को भू-विज्ञानियों ने ह्यनदी का चोरी चले जानाह्ण कहा था। इसलिए कि यह नदी चार दिन के भीतर ही सूख गई थी। नदी के विलुप्त हो जाने का कारण जलवायु परिवर्तन माना गया था। तापमान बढ़ा और कास्कावुल्श नामक जिस हिमखंड से इस नदी का उद्गम है, वह तेजी से पिघलने लगा। नतीजतन तीन सौ साल पुरानी स्लिम्स नदी 26 से 29 मई, 2016 के बीच सूख गई। जबकि डेढ़ सौ किमी लंबी इस नदी का जलभराव क्षेत्र डेढ़ सौ मीटर चौड़ा था। आधुनिक इतिहास में इस तरह नदी का सूखना विश्व में पहला मामला था।

इन्टरनेशनल घूमर प्रतियोगित्ता में जयपुर की रिषा जैन ने इंगलिश क्रिएटिव राईटिंग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा आयोजित दो दिवसीय 18वें इन्टरनेशनल यूथ फेस्टिवल में इंग्लिश क्रिएटिव राईटिंग में एस. एस. जैन सुबोध पी. जी. ऑटोनोमस कॉलेज, जयपुर कि मास्क कम्यूनिकेशन कि फाइनल ईयर की छात्रा रिषा जैन ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। उल्लेखनीय है कि प्रतियोगित्ता में देश-विदेश के सभी सरकारी व गैर सरकारी कॉलेजो के छात्र-छात्राओं ने भारी संख्या में भाग लिया था। रिषा जैन को पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र इंग्लिश कि हैड ऑफ दा डिपार्टमेंट पूजा जोशी, प्रोफेसर अंजलि शर्मा-कन्वीनर एवं डॉ. नरेश मलिक ने संयुक्त रुप से प्रदान किया। समारोह में उप-कुलपति प्रोफेसर राजीव जैन भी उपस्थित थे। पुरस्कार के रुप में रिषा जैन को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किये गये। इस अवसर पर छात्र संघ के सभी पदाधिकारी एवं छात्र-छात्राऐं हजारों की संख्या में भी उपस्थित थे।

ईसर -गणगौर स्नेह मिलन समारोह में दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

संगिनी फोरम जेएसजी मेट्रो का स्नेह मिलन समारोह संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। मानव एवं समाज सेवा के क्षेत्र में कार्यरत संस्था संगिनी फोरम जेएसजी मेट्रो द्वारा वित्तीय वर्ष 2023 का अंतिम स्नेह मिलन समारोह का आयोजन ईसर-गणगौर थीम पर किया गया। इस मौके पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी किए गए। अध्यक्ष मैना जैन ने बताया कि होटल शिव पैलेस में आयोजित इस रंगारंग कार्यक्रम में महिला सदस्याओं ने ईसर और गणगौर की वेशभूषा में सज-धजकर लोक नृत्य किये। सभी सदस्याओं ने राजस्थानी तथा फिल्मी गीतों पर नृत्य का आनंद लिया। संस्थापक अध्यक्ष दीपिका जैन कोटखावदा एवं अध्यक्ष मैना जैन ने बताया कि मनोरंजक व रंगारंग कार्यक्रम के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। इसके तहत प्लास्टिक हटाओ, देश बचाओ पर श्रीमती वर्षा अजमेरा और नीतू जैन के द्वारा प्लास्टिक से होने वाले दुष्प्रभावों पर प्रकाश डाला। संस्थापक अध्यक्ष श्रीमती दीपिका जैन कोटखावदा ने सत्र 2023-25 की संगिनी मेट्रो की आगामी टीम की घोषणा की और तालियों की गड़गड़ाहट के बीच नई टीम का स्वागत एवं सम्मान किया गया। कार्यक्रम संयोजिका दीपा गोधा, रेखा पाटनी, मोना जैन और सुनीता जैन ने सदस्याओं को हाउजी और मनोरंजक गेम्स खिलाए। ग्रुप सचिव अंबिका सेठी ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर विजेताओं को पुरस्कार दिए गये।

1000 लाभार्थियों ने चिकित्सा सेवा का लाभ लिया

भगवान महावीर के जन्मकल्याणक के अवसर पर जैन सोशल ग्रुप कोटा द्वारा एक चिकित्सा शिविर का भव्य आयोजन

कोटा. शाबाश इंडिया। महावीर जयंती के शुभ अवसर पर जैन सोशल ग्रुप कोटा द्वारा दशहरा मैदान कोटा में एक भव्य चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जानकारी देते हुए जैन सोशल ग्रुप के अध्यक्ष नरेंद्र वंदना जैन सर्राफ एवं सचिव मनोज पूजा सेठिया ने बताया कि इस चिकित्सा शिविर का शुभारंभ दीप प्रज्वलन कर ओम जैन सर्राफ एवं माधुरी जैन सर्राफ (अग्रवाल डायमंड) ने किया। शिविर में भगवान महावीर के बताए मार्ग का अनुसरण करने का प्रयास किया गया वहीं कई सेवा कार्य किए गए। कार्यक्रम के सलाहकार मनीष- रितु बोहरा एवं संजय -चंदन टोंगिया ने बताया कि शिविर में एक्यूप्रेशर एवं कलर थेरेपी चिकित्सा विधि से लगभग 1000 लोगों का इलाज किया गया। शिविर के प्रोजेक्ट चेयरमैन नरेश- अलका पांडेय एवं राकेश- मीनू जैन ने बताया कि शिविर में डॉ एनके गुप्ता और उनके अन्य 15 चिकित्सकों ने शिविर में अपनी सेवाएं दी। शिविर कार्यक्रम संयोजक पारस पूजा जैन, नरेश निशा जैन, संदीप अंजू कासलीवाल, पवन मैंना जैन, रहे। जैन सोशल ग्रुप के अध्यक्ष नरेंद्र वंदना जैन सर्राफ ने कार्यक्रम के शुरू में शिविर में आए अतिथि राजेश कृष्ण बिरला, शिविर के उद्घाटन कर्ता अशोक सुनीता पाटनी एवं दीप प्रज्वलन करता माधुरी ओम जैन सर्राफ का तिलक लगाकर सम्मान किया। इस अवसर पर जैन सोशल ग्रुप के राकेश जैन मडिया (एंबीशन) विशेष रुप से उपस्थित थे। सचिव मनोज जैन सेठिया ने बताया कि शिविर में सीके जैन, अनिल काला, सुशील बिलाला, सीए अरविंद जैन, राकेश जैन एडवोकेट, एडवोकेट अनिल काला, राजकुमार जैन, ऐश्वर्या जैन, मनीष पाटनी, निशा वेद एवं जैन सोशल ग्रुप के सभी पूर्व अध्यक्ष एवं 250 के लगभग सदस्य उपस्थित थे।

सोजतसिटी सामूहिक आयंबिल तप अराधना

छल-कपट मे की गई परमात्मा की साधना और अराधना कभी पूर्ण नही होने वाली है: प्रवर्तक सुकन मुनि महाराज

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

सोजत सिटी। जब मानव के अशुभ कर्म कर्ता रहेगा तब तक उसे मुक्ति का दरवाजा नही मिलने वाला है । प्रवर्तक सुकन मुनि महाराज ने नवदिवस आयंबिल ओली आराधना के अष्टम दिवस बुधवार को गुरूसेवा समिति मे सामूहिक आंयबिल करने वाले तपस्वियों और श्रध्दालूओ को सम्बोधित करते हुए कहा कि आत्मा का अभ्युदय अगर करना है तो मन मे कपट रखकर धर्म आराधना करोगे तो वह साधना अधूरी रहने वाली है मंजिल तभी मिलेगी जब आचरण और व्यवहार के साथ इंसान के भाव शुध्द होने पर ही वह मोक्ष को प्राप्त कर पायेगा। पंडित रितेश मुनि व बालयोगी अखिलेश मुनि ने कहा कि आत्मा को उत्कृष्ट बनाना है तो धर्म के मार्ग पर चलो। इस दौरान डॉ सुशील, उपप्रवर्तिनी मैनाकंवर, महासती इन्दुप्रभा आदि साध्वीयो ने धर्मसभा मे कहा कि संसार मे व्यक्ति की पूजा नही होती है उसके गुणों को पूजा ज्याता है। श्री मरूधर केसरी गुरूसेवा समिती के अध्यक्ष नवरतमल सांखला ने जानकारी देते हुये बताया कि आयंबिल आराधना महोत्सव मे पधारे गौतमचन्द कवाड़,पदमचन्द ललवानी धनराज काठेड़, शांतिलाल चौपड़ा, संपतराज तातेड़ आदि अनेकों अतिथियों का केवलचन्द धोका, प्रकाश चन्द, पदमचन्द, कस्तूरचन्द, महेन्द्र कुमार, शांति लाल, विकास कुमार धोका, मोहनलाल,बाबूलाल बोहरा, सुध्यान चन्द तालेड़ा, प्रवीण बोहरा,ललित पंगारिया,राजेश कोरिमूथा, सुरेश चन्द बलाई आदि सभी पदाधिकारियों ने अतिथियों को शोल माला पहनाकर अभिनन्दन किया। गुरूवार को आयंबिल आराधना करने वाले तपस्वियों की अनुमोदना करते हुये समारोह मे सम्मान किया जायेगा।

घर-घर मंगलाचार कार्यक्रम का समापन

भगवान महावीर की भक्ति में भजन प्रस्तुत किए। भगवान महावीर को मोक्ष नाटक का मंचन किया

टोंक. शाबाश इंडिया। मंगलवार को आदिनाथ मंदिर पुरानी टोंक में आदिनाथ शुभकामना परिवार एवं जैन महिला मंडल पुरानी टोंक द्वारा घर-घर मंगलाचार कार्यक्रम का समापन समारोह किया गया। आदिनाथ शुभकामना परिवार की संयोजक मधु लुहाड़िया ने बताया कि आदिनाथ शुभकामना परिवार शाखा पुरानी टोंक एवं महिला मंडल पुरानी टोंक के तत्वावधान में आदिनाथ मंदिर पुरानी टोंक में मंगलवार को घर-घर मंगलाचार कार्यक्रम का समापन किया गया जिसके अंतर्गत सर्वप्रथम भगवान महावीर स्वामी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर णमोकार एवं भक्तामर के पाठ के साथ कार्यक्रम की शुरूआत की गई भगवान महावीर स्वामी की भक्ति में महिलाओं ने भजन एवं विनतिया गाकर भक्ति नृत्य प्रस्तुत करते हुए मंदिर को भक्ति रस से सराबोर कर दिया । मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में समापन अवसर पर ''भगवान महावीर को मोक्ष'' नाटक का सजीव मंचन किया गया इस अवसर पर संतरा, मंजू, इंदिरा, बीना,संजू,शेफाली, विनीता, अनीता,ऐशना,सरोज, प्रेमलता आदि मौजूद थी। घर-घर मंगलाचार कार्यक्रम का आयोजन जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ के जन्म कल्याणक महोत्सव से जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक महोत्सव तक लगातार बीस दिनों तक किया गया जिसमें शुभकामना परिवार के सभी सदस्यो ने प्रतिदिन अलग-अलग सदस्यों के घर पर भजन गाए विनतीयां प्रस्तुत की एवं भगवान महावीर के जीवन से संबंधित छोटे छोटे लघु नाटक का मंचन इस कार्यक्रम के तहत किया गया।

जैन एकता मंच द्वारा नई दिल्ली मे "राष्ट्रीय महिला सम्मेलन" रविवार 16 अप्रैल को

बाकानेर. शाबाश इंडिया

देवपुरी वंदना ''समाज -राष्ट्र को जगाने के लिये महिलाओं का जागृत होना जरुरी है।" एक बार जब वो अपना कदम उठा लेती है तो परिवार आगे बढ़ता है, समाज आगे बढ़ता है, गाँव -कस्बा- नगर -शहर आगे बढ़ता है तब समाज व राष्ट्र विकास की ओर उन्मुख होता है। समाज की महिलाओं को सशक्त बनाने के लिये सबसे पहले समाज में उनके आवश्यक अधिकारों के साथ-साथ विचारों पर चिंतन - मनन अत्यंत आवश्यक है और उसी को क्रियान्वित करने के लिए जैन समाज में संस्कार,संस्कृति की रक्षा के लिए सदैव आगे रहने वाले जैन एकता मंच द्वारा आगामी रविवार 16 अप्रैल 2023 को नई दिल्ली स्थित केदारनाथ साहनी सभागार "सिविक सेंटर"वातानुकूलित हाल मे देश के विभिन्न प्रांतों से अपनी- अपनी योग्यता लिए समग्र जैन समाज की महिला शक्ति का भारी उत्साह व जोश के साथ समावेश होने जा रहा है। जिसमें मुख्य रूप से महिलाओं को खुशहाल परिवार, शैक्षणिक, स्वास्थ्य, जीव - दया, मानव सेवा, व्यवसायिक आदि राजनैतिक हुनर से समाज, राष्ट्र को आगे बढ़ाने में उनकी योग्यता को क्रियान्वित कर समग्र जैन महिला (दिगम्बर एवं श्वेताम्बर)वर्ग को समाज व राष्ट्रहित के लिए तैयार कर जैन समाज की महिला शक्ति को आगे लाने का प्रयास किया जाएगा । एवं विभिन्न क्षेत्रो मे विशिष्ट कार्य करने वाली महिला शक्ति को सम्मानित भी किया जायेगा। राष्ट्रीय महिला सम्मेलन में श्रमण संस्कृति के उन्नायक श्वेतपिच्छाचार्य 108 गुरुवर विद्यानंद जी के सुयोग्य शिष्य 108 प्रज्ञसागर जी के सानिध्य और आशीर्वाद के साथ-साथ जैन एकता मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सतीश जैन, राष्ट्रीय महिला अध्यक्षा श्रीमती सुनीता काला, प्रदीप जैन"आदित्य" (पूर्व मंत्री भारत सरकार), श्रीमती रत्नप्रभा जैन (समाज सेविका एवं दानवीर श्रविका), डॉक्टर संगीता विनायका राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इंदौर , मध्य प्रदेश प्रांतीय अध्यक्ष श्रीमती बरखा बड़जात्या बाकानेर, के साथ गजराज जैन गंगवाल (अध्यक्ष महासभा), प्रकाश चंद्र जैन बड़जात्या (महामंत्री महासभा) धर्मेंद्र सेठी, पवन जी जैन गोधा, राजेश जैन (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष), प्रमोद जैन (राष्ट्रीय महामंत्री), मनीष जैन (राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष), जिनेंद्र नरपतिया, गौरव जैन (राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष), सुशील जैन मोदीनगर, पुष्कर जैन उधम सिंह नगर, धीरज जैन, अरिहंत जैन अंबाला, हंसमुख लाल गांधी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इंदौर ,जिनेश्वर दयाल जैन खेकड़ा उत्तर प्रदेश, प्रदीप जैन सन्मति गाजियाबाद, राजेश जैन वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ,संदीप जैन फरीदाबाद, सुमित जैन बुराड़ी भी जैन समाज में अपनी अहम् भूमिका निभाते हुए उपस्थित महिलाओं के उत्साह वर्धन के साथ -साथ कार्यों में होने वाली समस्याओं का भी निराकरण कर समाज व राष्ट्र को मजबूत बनाएंगे। जैन एकता मंच द्वारा महिला सम्मेलन में उपस्थित महिलाओं के लिए लक्की ड्रा व समय की अनुकूलता अनुरूप अन्य मनोरंजक शिक्षाप्रद गेम्स का आयोजन भी होगा। मध्य प्रदेश प्रांत के जैन एकता महिला मंच के नवनिर्वाचित जिला ''**अध्यक्षा**" श्रीमती डॉली जैन (जिला अध्यक्ष एवं प्रदेश महा मंत्री ग्वालियर) श्रीमती शिवानी जैन सागर, श्रीमती पुष्पा शाह झाबुआ, श्रीमती विनीता जैन बड़वानी, श्रीमती ममता गंगवाल धार, श्रीमती निविता गंगवाल रतलाम, श्रीमती ज्योति रावका बुरहानपुर, श्रीमती आरती छाबड़ा खंडवा, श्रीमती राशि जैन दमोह, श्रीमती राजश्री जैन चौधरी इंदौर, आदि ने देश के विभिन्न प्रांतों की मातृ शक्तियों से ऐतिहासिक राष्ट्रीय महिला सम्मेलन जिसका सफल मंच संचालन श्रीमती इंदु जैन नई दिल्ली द्वारा किया जा रहा है। देश की समग्र जैन महिलाओं से महिला सम्मेलन में उपस्थित होने का आह्वान किया है। मध्य प्रदेश प्रांत की अध्यक्षा श्रीमती बरखा बड़जात्या ने विशेष जानकारी देते हुए बताया कि मध्य प्रदेश सभी जिलों में जैन महिला एकता मंच का गठन तीव्रता से चल रहा है। मध्य प्रदेश की ऊर्जा वान साथी महिलाओं से निवेदन है कि मंच से जुड़ते हुए समाज व राष्ट्र अपनी मातृ शक्ति को मजबूती प्रदान करें।

बलात्कार के दोषी कौन?

भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा आबादी वाला देश है और यहां अन्य देशों की तुलना में अपराध की दर भी अधिक है। बलात्कार भारत में चौथा सबसे आम अपराध है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की 2019 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, देशभर में 32,033 बलात्कार के मामले दर्ज किए गए या औसतन 88 मामले प्रतिदिन दर्ज किए गए। आए दिन बलात्कार की घटना में हम देखते हैं कि बाहर इतने बलात्कार होते हैं लेकिन जब घर में ही किसी के द्वारा किसी अपने का बलात्कार किया जाता है तो समाज में उस आदमी को सजा देने के लिए मामले दबा दिए जाते हैं और रात दिन उस औरत को कोसा जाता है जिसका बलात्कार हुआ है। उस औरत की अस्मत क्या इतनी सस्ती है कि उसे न्याय मिलने की बजाय जिंदगी भर का दर्द मिल जाता है। सामाजिक कलंक है बलात्कार लेकिन इस बलात्कार के दोषी होते कौन है? इस पर चर्चा कर रही हूं। हमारे भारत में सबसे ज्यादा घटनाएं बलात्कार की है जिसमें नशा, पुरुषों की मानसिक दुर्बलता, महिलाओं का कमजोर आत्मविश्वास, एकांत में मवालियों का अड्डा, ढीला कानून, है। अभी तक की सारी रिपोर्ट देखी जाएं तो 85 प्रतिशत मामलों में नशा ही प्रमुख कारण रहा है। हमारे देश में नशा ऐसे बिक रहा है जैसे मंदिरों में प्रसाद। आपको हर एक किलोमीटर में मंदिर मिले ना मिले पर शराब की दुकान जरुर मिल जाएगी और शाम को तो लोग शराब की दुकान की ऐसी परिक्रमा लगाते हैं कि अगर वो ना मिली तो प्राण ही सूख जाएंगे। नशा आदमी की सोच को विकृत कर देता है। उसका स्वयं पर नियंत्रण नहीं रहता और उसके गलत दिशा में बहकने की संभावनाएं शत-प्रतिशत बढ़ जाती हैं।ऐसे में कोई भी स्त्री उसे मात्र शिकार ही नजर आती है।स्त्री देह को लेकर बने सस्ते चुटकुलों से लेकर चौराहों पर होने वाली छिछोरी गपशप तक और इंटरनेट पर परोसे जाने वाले घटिया फोटो से लेकर हल्के बेहूदा कमेंट तक में अधिकतर पुरुषों की गिरी हुई सोच से हमारा सामना होता है। पोर्न फिल्में और फिर उत्तेजक किताबें पुरुषों की मानसिकता को दुर्बल कर देती हैं और वो उस उत्तेजना में अपनी मयार्दाएं भूल बैठता है और यही तनाव ही बलात्कार का कारण होता है। ईश्वर ने नर और नारी की शारीरिक संरचना भिन्न इसलिए बनाई कि यह संसार आगे बढ़ सके। परिवेश में घुलती अनैतिकता और बेशर्म आचरण ने पुरुषों के मानस में स्त्री को मात्र भोग्या ही निरूपित किया है। यह आज की बात नहीं है बल्कि बरसों-बरस से चली आ रही एक लिजलिजी मानसिकता है जो दिन-प्रतिदिन फैलती जा रही है। हमारी सामाजिक मानसिकता भी स्वार्थी हो रही है फलस्वरूप किसी भी मामले में हम स्वयं को शामिल नहीं करते और अपराधी में व्यापक सामाजिक स्तर पर डर नहीं बन पाता। महिलाओं का अगर आत्मविश्वास प्रबल हो तो कोई भी पुरुष उनसे टक्कर नहीं ले सकता।महिलाओं को शारीरिक रूप से सबल बनना चाहिए और वो मन से भी खुद मजबूत समझें।विपरीत परिस्थितियों से लड़ने की ट्रेनिंग उन्हें बचपन से ही मिलनी चाहिए। हमारा समाज लड़कियों की परवरिश इस तरह से करता है कि लड़की खुद को कमजोर और डरपोक बनाती चली जाती है। हमें अपनी बेटियों को निडर बनाना चाहिए। महिलाओं को अपने साथ अपनी सुरक्षा के साधन हमेशा साथ रखने के लिए हमें उन्हें जागरूक करना चाहिए। महिला अगर डरी-सहमी, खुद को लाचार समझती है तो उसे परेशान करने वालों का विश्वास कई गुना बढ़ जाता है। महिला की बॉडी लैंग्वेज हमेशा आत्मविश्वास से भरपूर होना चाहिए। अगर भीतर से असुरक्षित महसूस करें तब भी अपनी बेचैनी से उसे जाहिर ना होने दें, गांव और शहर के सुनसान खंडहरों की बरसों तक जब कोई सुध नहीं लेता है तब यह जगह आवारा और आपराधिक किस्म के लोगों की समय गुजारने की स्थली बन जाती है। फार्म हाऊस में जहां बिगड़ैल अमीरजादे इस तरह के काम को अंजाम देते हैं वहीं खंडहरों में झुग्गी बस्तियों के गुंडे अपना डेरा जमाते हैं। बड़े-बड़े नेता/ अफसर/ उद्योगपति लोग अपना फार्म हाऊस बना लेते हैं, और वहां हकीकत में होता क्या है ये कोई सुध नहीं लेता। यह जगह पुलिस और प्रशासन से दूर जहां इन लोगों के लिए 'सुरक्षित' होती है वहीं एक अकेली स्त्री के लिए बेहद असुरक्षित। महिला के चीखने-पुकारने पर भी कोई मदद के लिए नहीं पहुंच सकता। बलात्कार के 60% केस में ऐसे ही मामले सामने आए हैं। हमारे देश का कानून लचर है, ये सब मानते हैं। अगर कानून सख्त हो तो शायद अपराधिक मामलों की संख्या बहुत कम हो जाती। कमजोर कानून और इंसाफ मिलने में देर भी बलात्कार की घटनाओं के लिए जिम्मेदार है। देखा जाए तो प्रशासन और पुलिस कमजोर नही हैं, कमजोर है उनकी सोच और समस्या से लड़ने की उनकी इच्छा शक्ति। पैसे वाले जब आरोपों के घेरे में आते हैं तो प्रशासनिक शिथिलताएं उन्हें कटघरे के बजाय बचाव के गलियारे में ले जाती हैं। पुलिस की लाठी बेबस पर जितने जुल्म ढाती है सक्षम के सामने वही लाठी सहारा बन जाती है। अब तक कई मामलों में कमजोर कानून से गलियां ढूंढ़कर अपराधी के बच निकलने के कई किस्से सामने आ चुके हैं। कई बार सबूत के आभाव में न्याय नहीं मिलता और अपराधी छूट जाता है। अंततः आज हमें बलात्कार को धर्म, मजहब के चश्मे से नहीं देखना चाहिए। बलात्कारी कहीं भी हो सकते हैं, किसी भी चेहरे के पीछे, किसी भी बाने में, किसी भी तेवर में, किसी भी सीरत में।बलात्कार एक प्रवृति है उसे चिन्हित करने, रोकने और उससे निपटने की दिशा में यदि हम सब एकमत होकर काम करें तो संभवतः इस प्रवृत्ति का नाश कर सकते हैं।

पूजा गुप्ता:
मिर्जापुर (उत्तर प्रदेश)

श्री भक्तामर महामंडल दीप अराधना ने ऐतिहासिक बनाया इस वर्ष की महावीर जयंती को

रामगंजमंडी. शाबाश इंडिया

इस वर्ष महावीर जयंती पर रामगंजमंडी जैन समाज द्वारा जहां प्रातः कालीन वेला में प्रभात फेरी एवं महावीर भगवान की रथयात्रा से दिन की मंगलमय शुरूवात हुई। वहीं सांयकालीन वेला में श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन बड़े मंदिर में सकल दिगंबर जैन समाज द्वारा सामूहिक 48 मंडलीय श्री भक्तामर दीप अराधना की गई जिसके अंतर्गत सभी श्रावकों ने सपरिवार अपने अपने मंडल पर 48 दीपकों से महावीर भगवान के जन्म कल्याणक पर ऋद्धि मन्त्रों से दीप प्रज्ज्वलित किए। सामूहिक आराधना के अंतर्गत भक्तामर के संस्कृत काव्यों को और हिंदी काव्यों के बाद बड़े बाबा का जाप करते हुए ऋद्धि मन्त्रों बोलते हुए दीप जलाए गए। सर्वप्रथम श्री जी के मंच का अनावरण श्रेष्ठि परिवार प्रदीप - रेणु , प्रतीक जैन, शिवांगी जैन परिवार (आगरा वालों) द्वारा किया गया। दीपाराधना का मुख्य आकर्षण मुख्य मंडल रहा जिस पर सौधर्म इंद्र बनकर सुरेश कुमार जेडरेखा जैन, सिद्धार्थ कुमार- पूजा जैन, बाबरिया दौतडा वालों ने दीप आराधना की। कार्यक्रम का निर्देशन प्रशांत जैन आचार्य एवं सिद्धार्थ, अमन शास्त्री ने किया। कार्यक्रम में भक्तिमय संगीतलहरी आकाश जैन आचार्य ने बिखेरी। सभी श्रावकों ने भजनों पर में मगन होते हुए खूब प्रभु भक्ति करी।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

राग से वैराग्य की ओर

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप संगिनी फॉरएवर के द्वारा श्री महावीरजी में एक सांस्कृतिक संध्या का भव्य मंचन किया गया ग्रुप अध्यक्ष श्रीमती शकुंतला बिंदायका ने बताया कि दीप प्रज्वलन मंदिर प्रबंध समिति के सुधांशु कासलीवाल, महेंद्र पाटनी, महावीर बिंदायका , विवेक काला, सुभाष जैन, प्रदीप जैन एवं अन्य गणमान्य सदस्यों के साथ किया गया मंगलाचरण की भव्य प्रस्तुति प्रिया और रिद्धि के द्वारा दी गई महावीर जन्म उत्सव पर अद्भुत नृत्य नाटिका का मंचन शकुंतला सुनीता गंगवाल उर्मिला मधु पुष्पा अलका शीला सुनीता आदि के द्वारा किया गया ग्रुप अध्यक्ष श्रीमती शकुंतला बिंदायका ने बताया कि एक अकल्पनीय भव्य नाटिका राग से वैराग्य की ओर भी प्रस्तुत किया गया जिसमें सुलोचना अनीता सरोज सीमा बिना बबीता पुष्पा रिद्धि प्रिया रियांशी नक्श अलका मधु आदि सभी सदस्यों ने भाग लिया मंच का संचालन शानदार शायराना अंदाज में ग्रुप सचिव श्रीमती सुनीता गंगवाल के द्वारा किया गया कोषाध्यक्ष उर्मिला ने बताया कार्यक्रम में फेडरेशन कके श्रीमान राजेश जी निर्मल जी पारस जी आदि की भी ओजस्वी उपस्थिति रही अविस्मरणीय कार्यक्रम के लिए सभी ने ग्रुप अध्यक्ष शकुंतला जी बिंदायका एवं संगिनी फॉरएवर ग्रुप के अन्य सदस्यों का आभार प्रकट किया इसमें फोटोग्राफी से चित्रों को सजाया है संजय जी जैन और मनीष जैन ने ।

जैन सोश्यल ग्रुप कैपिटल ने नव सत्र का आगाज सामाजिक सेवा के कार्य के साथ किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

भगवान महावीर के 2622 वे जन्म कल्याकण पर जैन सोश्यल ग्रुप कैपिटल द्वारा फल व जल का वितरण किया। अध्यक्ष अनिल - प्रेमा रावका के अनुसार गर्मी के मौसम मे शीतलता प्रदान करने हेतु सभी फल फ्रूट जैसे नारंगी व अंगूर का वितरण कर समाजिक कार्य के साथ ग्रुप के नए सत्र का आगाज किया ।

पंचशील जैन समाज ने मनाया महावीर स्वामी का जन्म कल्याण महोत्सव

अजमेर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन मंदिर पंचशील नगर में भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक महोत्सव को बड़ी धूमधाम से मनाया गया ' प्रातःकाल में प्रभात फेरी का आयोजन किया गया जो कि मंदिर जी से प्रारंभ होकर पंचशील में विभिन्न मार्गों से होती हुई पुनः मंदिर जी पर आई ' सभी साधर्मी जनों ने भगवान के नारों से रैली को गुंजायमान कर दिया ' प्रभात फेरी का सभी घरों के बाहर स्वागत भी किया गया ' प्रभात फेरी में इस साल एक सुन्दर सी झांकी भी बनाई गई जिसमें दर्शिका पाटनी राजा सिद्धार्थ व जीवांशी बड़जात्या माता त्रिशला बने ' झांकी रेखा कासलीवाल , आशी सोगानी, हार्दिक, सुप्रिया पाटनी ,मीनू सोगानी,रचना गोधा सोनिया सोगानी ने बनाई ' प्रभात फेरी के समापन के बाद ध्वजारोहण रमेश बड़जात्या व सुनील सोगानी परिवार द्वारा किया गया ' तत्पशचात भगवान के कलशाभिषेक हुए ' शांतिधारा करने का सौभाग्य सुशील हितेश,विवेक शाह परिवार, दिनेश - अंकित पाटनी परिवार व कपिल पाटनी परिवार को प्राप्त हुआ ' इस अवसर पर वीरेंद्र बाकलीवाल,अशोक बड़जात्या,मिक्की बाकलीवाल,राजेन्द्र पाटौदी,मनीष गदिया,सुनील बड़जात्या,निर्मल पाटनी,राजेश कासलीवाल, ललित सेठी, नवल छाबड़ा,भावना बाकलीवाल,प्रीति गदिया, मधु भैंसा,नीलू पाटौदी, मनीषा गदिया, राजुल बड़जात्या, शवेता छाबड़ा, सुनीता शाह,सरिता पांड्या, प्रीति पाटनी, इंद्रा शाह, विभा बड़जात्या, जया बाकलीवाल,डा.मनीषा,निधि अजमेरा, पदमा गंगवाल,शीलू बड़जात्या, मधु पाटनी, अर्चना गदिया सहित अनेक धर्मावलंभी उपस्थित थे।

श्री दिगंबर जैन विकास समिति, बीर की कार्यकारिणी का हुआ गठन

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। श्री दिगंबर जैन विकास समिति बीर की साधारण सभा में हुए चुनावों में अध्यक्ष पद हेतु प्रकाश पाटनी, सचिव पद हेतु सुरेश गदिया एवं कोषाध्यक्ष पद हेतु शान्तिलाल पाटनी को सर्वसम्मति से चुना गया तथा कार्यकारिणी को अपने स्तर पर चुनने की स्वतंत्रता दी गई। तीनों पदाधिकारियों ने शेष कार्यकारिणी का गठन किया है जिसमें सह कोषाध्यक्ष पंकज बाकलीवाल, संगठन मंत्री नवल गदिया (इंदौर), उपाध्यक्ष सुरेश चंद गदिया (भीलवाड़ा), अजित गदिया (बीर), दीपक गदिया (किशनगढ़), प्रदीप बाकलीवाल केसरगंज, सह सचिव आशु गदिया, संयुक्त सचिव संजय बाकलीवाल, प्रचार मंत्री अनिल पाटनी, यातायात मंत्री राकेश गदिया, विधि मंत्री सुनिल गदिया एडवोकेट, भंडार व्यवस्थापक अशोक गदिया बीर, पूजन द्रव्य सामग्री व्यवस्थापक रवि गदिया, अंकेक्षक सुनिल बाकलीवाल एवं 11 सदस्यी कार्यकारिणी बनाई गई। कार्यकारिणी सदस्यों में मदनलाल गदिया, मंगलचंद पाटनी, माणकचंद बाकलीवाल (भीलवाड़ा), रमेश बाकलीवाल, राजेन्द्र बाकलीवाल, अनिल गदिया सिविल लाइंस, दिनेश गदिया, अनिल बाकलीवाल, कमल अजमेरा (बीर), पंकज बाकलीवाल (बीर), विवेक बाकलीवाल को चुना गया।

सखी गुलाबी नगरी ने किया पाठशाला व कच्ची बस्ती में फल व बिस्कुट का वितरण

जयपुर. शाबाश इंडिया

सखी गुलाबी नगरी द्वारा सामाजिक कार्यक्रम के तहत दिनांक 5 अप्रैल, को शिप्रा पथ मानसरोवर, कपिल ज्ञानपीठ के पास,कच्ची बस्ती के बच्चों की पाठशाला एवं वीटी कच्ची बस्ती के लोगो में फल व बिस्कुट वितरण का कार्यक्रम किया गया। अध्यक्ष सारिका जैन ने बताया कि इस पाठशाला में कच्ची बस्ती के बच्चो का शारीरिक विकास और सामान्य ज्ञान की शिक्षा व अन्य सभी विषयों का भी अध्यन्न कराया जाता है, कार्यक्रम में उपाध्यक्ष अनीता जैन, सह सचिव ममता जैन, कोषाध्यक्ष नेहा जैन, संस्कृतिक मंत्री मनीषा जी, सामाजिक कार्यक्रम संयोजक रानी पाटनी, कार्यकारिणी सदस्य सरोज जैन व सदस्य वीरबाला जैन भी उपस्थित थी। इस सामाजिक कार्य के सहयोग कर्ता मुन्नी देवी भागचंद जैन एवं प्रिया पाटनी जी थे।

ऐतिहासिक नाटक तीर्थंकर नेमिनाथ व नारायण श्री कृष्ण का सशक्त मंचन

जयपुर. शाबाश इंडिया

महिला जागृति संघ की ओर से अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी में ऐतिहासिक नाटक तीर्थंकर नेमिनाथ व नारायण श्री कृष्ण का सशक्त मंचन किया गया। शशि जैन द्वारा लिखित एवं राजेंद्र शर्मा राजू द्वारा निर्देशित नाटक मैं बताया गया कि नेमिनाथ और श्रीकृष्ण दोनों चचेरे भाई है 1 तीर्थंकर पद प्राप्त करने वाले दूसरे नारायण हैं साथ में भावी तीर्थंकर बनने वाले नेमिनाथ किस तरह से शादी के मंडप से वापस जाकर वैराग्य धारण करते हैं साथ में सोलह सिंगार किए राजमती भी अपने नेमिनाथ के पद चिन्हों पर चली और वैराग्य धारण किया। नाटक के सभी पात्रों ने अपने अभिनय से पात्रों को जीवंत किया और अपने अभिनय से दर्शकों की वाहवाही ली ।नाटक में बेला जैन, मंजू छाबड़ा, सोनिया जैन, सीमा जैन, ज्योति जैन, गरिमा, निर्मला, ज्योति, शारदा सोनी शशि जैन, निर्मलावेद, ज्योति छाबड़ा, सरिता गंगवाल, तृषा जैन, मानसी, दर्शिका, सरिता गंगवाल, ने अपने अभिनय से दर्शकों की वाहवाही लूटी। नाटक में गायन पर सरोज छाबड़ा, कुसुम थोलिया साधना काला ने अपने स्वरों से संगीत को सजाया कार्यक्रम का संचालन इंदु दोषी ने किया ।

जैन सोशल ग्रुप अजमेर के नए सत्र का शुभारंभ

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। जैन सोशल ग्रुप अजमेर की द्विवर्षीय नई कार्यकारिणी 2023-25 का शुभारंभ हुआ। सचिव अमित वेद ने बताया कि जैन सोशल ग्रुप अजमेर द्वारा जीतो अहिंसा मैराथन रैली वह जैन धर्म प्रभावना वाहन रैली तथा महावीर जयंती की शोभायात्रा में जैन सोशल ग्रुप के सदस्यों द्वारा फूलों के द्वारा भव्य स्वागत व गणमान्य लोगों का माला व साफा पहनाकर अभिनंदन किया तथा समिति द्वारा आयोजनों मे भाग लेने वाले धर्मप्रेमी बंधुओ के लिए आइसक्रीम व शीतल पेयजल की व्यवस्था रखी गई। अध्यक्ष सुनिल दोसी ने बताया इन कार्यक्रमों में प्रमोद सोगानी नरेश गंगवाल अशोक गदिया आर.के.बोहरा सुनिल वर्षा काला संजय सोनी शैलेन्द्र बडजात्या इंदु जैन मधु भिलाला मंजू पाटनी सुरेखा जैन राजेश बोहरा अंकुर बडजात्या अनिल जैन अनिल बडजात्या मनोज अजमेरा विमल गटटी सुभाष बडजात्या अनुराग लुहाडिया राजकुमार पाटोदी मुकेश सेठी आशीष बोहरा रमेश जैन आदि समिति के सदस्यों का सहयोग रहा ।